CAREERINDIA

PAPER-III
KONKANI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________________
(In words)

D 8 5 1 4

Time : 2 $^{1}/_{2}$ hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **12** Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

www.careerindia.com

CAREERINDIA

KONKANI
कोंकणी
Paper – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचहतर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अंक** है । सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

सुचोवण्यो : (i) ह्या प्रस्नपत्रांत वट्ट पाऊणशे **(75)** भौपर्यायी जापेचे प्रस्न आसात.

(ii) सगळ्या प्रस्नांच्यो जापो बरोंवच्यो.

(iii) दर एका प्रस्नाचे सारके जापेक दोन **(2)** गुण दवरल्यात.

(iv) दर एका प्रस्नाची जाप ताचे सकयल दिल्लया (A), (B), (C) आनी (D) ह्या चार अक्षरांतल्या फावो त्या अक्षराचेर कुरू करून दिंवची.

1. 'कोंकणी ही भास संस्कृतातल्यान आयल्या ती मराठीची भयण, धूव न्हय.' अशें हांतूतल्या कोणे म्हळां ?

(A) रामचंद्र पांडुरंग वैद्य
(B) शणै गोंयबाब
(C) फेर्नांदु लोआल
(D) येदुआर्द जुझे ब्रुनु द् सौवज

2. 'श्रीकृष्ण देव गे तो वळार कसा झाला
वळार जावनी तो पंढरेस गेला'
ह्यो वळी हांतूतल्या खंयच्या लोकगीतांतल्या प्रकारांतलेया आसात ?

(A) धालोगीत
(B) होवयोगीत
(C) धेणलोगीत
(D) चौरंगगीत

3. 'रामाणींचे कवितेन आत्मपरता आनी आत्मनिवृत्ती हांचे मर्दी आशिल्लया आत्मतपस्काराचें दायज कोंकणीक दिलें' हें विधान कवी शंकर रामाणीच्या संदर्भात हांतूतल्या कोणे केला ?

(A) डॉ. राजय पवार
(B) प्रियदर्शिनी तडकोडकार
(C) माधव बोरकार
(D) रमेश वेळुस्कार

4. 'शिरी, बायल मदुबाब' ही कथा हांतूतल्या कोणाची ?

(A) गजानन जोग
(B) चंद्रकांत केणी
(C) शीला नायक
(D) ऑलिविन्यू गॉमिश

5. आर एस भास्कर हांचे 'नक्षत्रां' हें पुस्तक केन्ना उजवाडा आयलें ?

(A) १९९५
(B) १९९२
(C) १९९७
(D) १९९६

6. वर्साप्रमाण सकयल दिल्लया पुस्तकांचो क्रम लायात.

(A) देमान्द, स्वरानंद, रंगपाट, ओथांबे
(B) देमान्द, रंगपाट, स्वरानंद, ओथांबे
(C) ओथांबे, रंगपाट, स्वरानंद, देमान्द
(D) रंगपाट, ओथांबे, देमान्द, स्वरानंद

7. सकयल दिल्ली खंयची दोन विधानां बरोबर आसात ?
   1. बाकीबाब बोरकराचे कवितेंत मोगाचे पूर्ततायेपरस विफळतायेच्यो व्यथा अदीक गाड रूपान आयल्यात.
   2. माधव बोरकर हांच्या 'यमन' कविताझेल्यातल्या कवितांतल्यान कवीचें अणभवविश्व एककेंद्री आशिल्यान एकांगी जाला.
   3. बयाभावाच्या कवितेंतल्यान बयाभावाली प्रायोगिक नदर स्पश्टतायेन दिश्टी पडटा.
   4. रमेश वेळुस्करांच्या सावुलगोरी झेल्यातल्या कवितेंतल्यान प्रतिमेची परिणत अवस्था दिश्टी पडना.

   (A) 1, 2 (B) 2, 4
   (C) 1, 3 (D) 3, 4

8. पयलें पुराय स्वरूपाचें संगीत कोंकणी नाटक खंयचें ?
   (A) 'आम्रांबांचे यज्ञदान' (B) 'चंद्रहास'
   (C) 'कौरवालो कृश्ण' (D) 'त्रिपुरदाह'

9. कन्नड लिपींतली 'मोगाची म्हयमा' ही कोंकणी कादंबरी हांतूतल्या कोणाची ?
   (A) स्टॅन आगियार (B) एडविन डिसौजा
   (C) व्ही.जे.पी. साल्दान्य (D) ए. टी. लोबो

10. धर्मानंद कोसंबी हांणी बरयल्ले 'भगवान बुद्ध' हें पुस्तक कोंकणीत कोणे अणकारीत केलां ?
    (A) मनोहरराय सरदेसाय (B) सुरेश आमोणकार
    (C) बाकीबाब बोरकार (D) रवींद्र केळेकार

11. 'आर्ती दे लिंगुआ कानारी' ह्या व्याकरणाच्या पुस्तकाची दुसरी उजवाडणी खंयच्या वर्सा जाली ?
    (A) १८७५ (B) १८५७
    (C) १८५५ (D) १८७७

12. गोंयच्या जात्रा-कालो-नाटकाचो उमेदी आरंभ करुन दिवपी लोकवाद्याचो आविश्कार म्हळ्यार –
    (A) शेनाय वादन (B) सूर्त आनी शामेळ वादन
    (C) सुंवारी वादन (D) घुमट आनी झांज वादन

13. 'आई, सपनां खरीं जातात गे ?' अशें दामोदर मावजो हांच्या खंयच्या कथेंत आनी कोणी म्हळां ?
    (A) अथरेक – एदवार्द (B) नवें – शंकर
    (C) कपी – दास (D) मॅट्रिकेचो रिझल्ट – शोभा

14. "जैसें फळा वख्नु व्रुख्याक मानवताति,
    तैसेंचि पुत्राच्या माना वख्नु मायेक तुस्ति पावता"
    ह्यो वळी हांतूतल्या कोणाच्या कवनांतल्यो आसात ?
    (A) कृश्णदास शामा (B) तोमास इस्तेवांह
    (C) मिगेल द आल्मेद (D) दियोग रिबेरो

15. 'पुरायतरेन मौखीक परंपरेत जगपी संस्कृतींत मेळपी सगळेंच म्हळ्यार लोकवेद !' अशी लोकवेदाची व्याख्या हांतूतल्या कोणे केल्या ?
    (A) ऑरिलिओ एस्पीनोझा (B) रा.चिं. ढेरे
    (C) बी.ए. बॉटकीन (D) ना.गो. कालेलकर

CAREERINDIA

16. ‘प्रसादाफुल’ ह्या प्रातिनिधीक कथाझेल्यांत खंयच्या काळातल्यो कोंकणी कथा आस्पावल्यात ?
(A) १९५९-७० (B) १९५९-६९
(C) १९४९-५९ (D) १९६९-७९

17. ‘एकूच वस्तू ती खरी न्हय ती दुसरीच आसा’ अशी व्याख्या खंयच्या अलंकाराची जावन आसा ?
(A) रूपक (B) अपन्हुति
(C) भ्रांतिमान (D) संदेह

18. ‘मातीच ही सगली खरी
मातयेचीच पूड
तरी तिच्या गर्भकणयेंत
हावेसांची चूड’
ह्यो वळी हांतूतल्या खंयच्या कवीच्या कवितेतल्यो आसात ?
(A) माधव बोरकार (B) शंकर रामाणी
(C) पांडुरंग भांगी (D) बयाभाव

19. ‘रणमाले’ हो खेळ हांतूतल्या खंयच्या तालुक्यांत जाता ?
(A) सत्तरी आनी सांगे (B) दिवचल आनी केपें
(C) सांगे आनी काणकोण (D) काणकोण आनी केपें

20. “गोंयची कोंकणी कथा म्हळ्यार मायेमोगाची अेक गजाल” अशें गोंयच्या कोंकणी कथेसंबंधान हांतूतल्या कोणे म्हळां ?
(A) मनोहरराय सरदेसाय (B) दामोदर मावजो
(C) अना म्हांबरो (D) हरिश्चंद्र नागवेंकार

21. कवितेतल्यो वळी आनी कवी हांच्यो फावो त्यो जोड्यो लायात.

१.	म्हजें काळीज हुलपलां सपन म्हजें करपलां	५.	बयाभाव
२.	तें घडलां तशें वाडलां आनी आयज पडूंक तेकलां-रडूंक तेकलां !	६.	पांडुरंग भांगी
३.	चौखुऱ्याच्या गळ्यांतली घांट अशी एक सुकुमार सांज	७.	बाकीबाब बोरकार
४.	तणाक पसुन येतले दोळे आनिक वालिंक कळेच कळे	८.	र.वि. पंडीत
		९.	मनोहरराय सरदेसाय

(A) १ – ९, २ – ८, ३ – ६, ४ – ७ (B) १ – ८, २ – ५, ३ – ९, ४ – ६
(C) १ – ५, २ – ९, ३ – ८, ४ – ७ (D) १ – ७, २ – ८, ३ – ९, ४ – ५

22. ‘तुवें खूब भोंवचें’ हें वाक्य खंयच्या प्रयोगाची देख जाव येता ?
(A) कर्मणी प्रयोग (B) कर्तरी प्रयोग
(C) अकर्मक भावे प्रयोग (D) सकर्मक भावे प्रयोग

23. ‘आल्हाद, पुरुषार्थ, व्यवहार गिन्यान’ ही काव्याचीं प्रयोजना हांतूतल्या कोणे सांगल्यात ?
(A) कुंतक (B) मम्मट
(C) भामह (D) रुद्रट

CAREERINDIA

24. हांतूतलें खंयचें वाक्य चूक आसा ?
(A) कोंकणींत 'प' अक्षरान सोंपपी क्रियापदाचें रूप आसा.
(B) क्रियापदांनी 'प' गळटकच धातूंत बदल जायना.
(C) सादारण रूपांत क्रियापद तीन वा चउ अक्षरी आसता.
(D) सकर्मक क्रियापदांचो धातू चउ करून 'इ' स्वरी जाता.

25. 'अक्षयापात्र' हें केरळी कोंकणीतले काव्य कोणाचे ?
(A) वेदवती शणै
(B) स्वामी प्रभावानन्द
(C) भवानीबाय पदुकोण
(D) जी. कमलाम्मल

26. 'खबरी' हो खंयच्या लोकगीताचो प्रकार जावन आसा.
(A) जागोरगीत
(B) मांडोगीत
(C) गावनकाणी
(D) शिगमोगीत

27. हांतूतली चुकीची जोडी खंयची आसा ?
(A) रस – हांतूतल्यान काव्याचो आनंद अणभवपाक मेळटा
(B) अलंकार – जांतूतल्यान काव्याची भितल्ली सोबितकाय वाडटा
(C) गुण – जांतूतल्यान काव्याची आंतरिक सोबा वाडटा.
(D) शब्दशक्ती – हांतूतल्यान उतरांचो अर्थ परगडटा

28. हांतूतलें खंयचें बरप दांते ह्या नावाजत्या बरोवप्याचें आसा
(A) दैवी कॉमेडी
(B) लुझितायण
(C) ओडीसी
(D) रेटोरीक्स

29. फावो तो पर्याय वेंचून वाक्य पुराय करात.
"सोळाव्या शेंकड्याच्या कोंकणी रामायणाच्या हातबरपांत _______."
(A) कांयच पोर्तुगेज उतरां मेळनात
(B) कांयच फारसी - अरबी उतरां मेळनात
(C) कांय पुर्तुगेज उतरां मेळटात
(D) खूब मुंडारी उतरां मेळटात.

30. 'जीबेक हाड नासप' ह्या वाक्यप्रचाराचो फावो तो अर्थ हांतूतलो खंयचो ?
(A) जीब ही सगळ्यांत नाजूक अवयव आसा.
(B) कशेय तरेन उलोवप.
(C) जीब कशीय वाकोवप.
(D) जीब कितलीय लांब भायर काडप.

31. हांतूतलें खंयचें विधान बरोबर आसा ?
(A) कोंकणीत 'बापू' हे महात्मा गांधीचे चरित्र शांताराम हेदो हांणी बरयला.
(B) कोंकणीत 'बापू' नांवान एक संपादन बाकीबाबान केलां.
(C) कमलाकर म्हाळशी हांणी 'बापू' ह्या पुस्तकाचें संपादन केलां.
(D) कोंकणीतले 'बापू' हें पुस्तक रवींद्रबाब केळेकार हांणी अणकारीत केला.

32. 'आत्मो देंवचाराक' हे रोमांसीचो बरोवपी कोण ?
(A) फा. आंतोनियु परैरा
(B) ए. व्ही. डिक्रूझ
(C) बोवेंतुर पियात्रु
(D) जोकी आंतोन फॅर्नांदीश

33. 'कृष्णदास शामाच्या कोंकणी गद्याची घाटणी आयजच्या कोंकणीचीच आसा, ताचेवेल्यान तिची घाटणी १६ व्या शेंकड्यातच थीर जाल्लीं हें स्पश्ट जाता.'
हें विधान कोंकणी भाशेसंबंदान हांतूतल्या कोणे केला ?
(A) रवींद्रबाब केळेकार (B) नागेश सौंदे
(C) माधवी सरदेसाय (D) बाकीबाब बोरकार

34. कोंकणी बोलयानी 'फ्' चो कसलो उच्चार जाता ?
(A) ओंठ्यो (B) दांतयो
(C) दांत-ओंठ्यो (D) दांत-ताळवो

35. 'काव्यं ग्राह्यमलंकारात सौंदर्यमलंकारः' अशे हांतूतल्या कोणे म्हळां ?
(A) आनंदवर्धन (B) दण्डी
(C) वामन (D) मम्मट

36. १९व्या शेंकड्यातलो भाशेच्या मळावयलो इतिहासिक वावर इतिहासिक भासविज्ञानाचे खंयचे पद्धतीचेर मुखेलपणान पातयेवन आशिल्लो ?
(A) भाशीक कालनिर्णय (B) तुलनात्मक पद्धत
(C) एकभाशीक पुनर्रचणूक (D) भाशीक भूगोल

37. हांतूतलें खंयचें वाक्य चूक आसा ?
(A) काळजांत आसा तेंच जिबेर येता. (B) तरसादे परसूय जिबेची तांक व्हड
(C) जिबेर नियंत्रण जाय (D) आपणाक राखता तोच जिबेक राखीना

38. अभयकुमार वेलींगकार हांचे 'हांव न्हीद काडटा' हें पुस्तक खंयच्या वर्सा उजवाडा आयलें ?
(A) १९८२ (B) १९८१
(C) १९८० (D) १९८३

39. 'परात्मभाव' हो खंयच्या वादाचो विशेशघटक जावन आसा ?
(A) सौंदर्यवाद (B) वास्तववाद
(C) अस्तित्ववाद (D) अतिवास्तववाद

40. हांतूतलें खंयचें नेमाळें यशवंत पालेकर हांणी संपादित केल्लें आसा ?
(A) 'कुळागर' (B) 'गुलाब'
(C) 'कोंकणभारती' (D) 'कोंकणटाईम्स'

41. हांतूतली खंयची दोन विधानां चूक आसात ?
1. उलयतात त्यो सगळ्यो भासो बरयतातच अशें ना.
2. लिपी म्हळ्यार भास न्हय, भास म्हळ्यार लिपी न्हय.
3. भास फकत उलोवपाखातीर आसता.
4. एकच भास एका परस चड लिपींनी बरयल्यारूय त्यो सगळ्यो ते भाशेच्यो निजाच्यो लिपी जायनात.
(A) 1, 2 (B) 3, 4
(C) 1, 3 (D) 2, 4

42. सकयल दिल्लया लोकगीताक कितें म्हणटात ?
'सांत आंतोन
पावस घाल ! पावस घाल !
दोंगरावयले काळंगिणी
पावस घाल गे सायबिणी'

(A) प्रार्थनागीत (B) जत
(C) ओरेसांव (D) होरावणी

43. सकयल दिल्लया पुस्तकांतलें खंयचें पुस्तक प्रा. शाम वेरेंकार हांचे जावन आसा ?

(A) लोकबिंब (B) रूपडीं
(C) गोंयच्या लोकवेदाचो रूपकार (D) जात्रा आमचें दायज

44. Parody ह्या उतराक कोंकणी परिभशिक उतर खंयचें ?

(A) शैली (B) शैली विडंबन
(C) शैली विज्ञान (D) शैली विचार

45. 'क्रिडनीयक' अशें नाटकाक कोण म्हणटा ?

(A) दण्डी (B) भरतमुनी
(C) वामन (D) रूप्यक

46. 'देवीक पांया पडूंक वच जाल्यार देवीच्या हातांत तरसादूच ना.' – अशें पुंडलीक नारायण नायक हांच्या 'दायज' ह्या नाटकांत कोण म्हणटा ?

(A) माधवी म्हणटा (B) माई म्हणटा
(C) विनय म्हणटा (D) विद्यानंद म्हणटा

47. 'रवींद्रनाथ टागोर जिवीत आनी कवीत' ह्या पुस्तकातल्या लेखांचे मुळावे बरोवपी आनी अणकारपी हांच्यो जोड्यो लायात.

१. कथालेखक रवींद्रनाथ	५. मनोहर हि. सरदेसाय	१०. डॉ. मनोहर राय सरदेसाय
२. रवींद्रनाथ आनी सामाजिक समता	६. डॉ. एस.एस. कुलकर्णी	११. नंदकुमार कामत
३. भारतीय साहित्यावेलो टागोरांचो प्रभाव	७. श्रीपाद जोशी	१२. प्रकाश पाडगावकर
४. रवींद्रनाथ टागोरांची नाटका	८. प्रभाकर माचवे	१३. सौ. माणीक जोशी
	९. डॉ. सुरेश दलाल	१४. रमेश भगवंत वेकुस्कार

(A) १ – ७ – ११, २ – ५ – १२, ३ – ८ – १४, ४ – ६ – १०
(B) १ – ६ – १२, २ – ५ – १३, ३ – ९ – ११, ४ – ७ – १४
(C) १ – ८ – ११, २ – ९ – १०, ३ – ५ – १४, ४ – ७ – १२
(D) १ – ५ – १०, २ – ७ – १३, ३ – ८ – ११, ४ – ६ – १२

48. 'कांदळां' हो कथा झेलो केन्ना उजवाडा आयलो ?

(A) १९९५ (B) १९९६
(C) १९९३ (D) १९९२

49. 'रोमेंटीसिज्म अँड द मॉर्डन इगो' हें स्वच्छंदतावादावेलें पुस्तक हांतूतल्या कोणाचें ?

(A) फ्रेडरीक हॅरोल्ड (B) रेने वॅलेक
(C) जॉक बारस् (D) मोर्स पॅखॅम

50. बाळकृष्ण सावर्डेकार हाणी कोंकणीच्या साहित्यिक वावराक ________ म्हळें.

(A) सुताची गिरणी (B) कुस्कुटाचो धंदो

(C) पिश्याची गिरण (D) वावराड्याचो धंदो

51. कादंबरी आनी तांतलीं पात्रां हांच्यो फावो त्यो जोड्यो लायात.

१. श्रीनिवास ५. विठाय

२. गुणाजी ६. गोपाळ

३. भोगदंड ७. पारू

४. पाषाण कळी ८. रोबीन

९. कश्मीरा

(A) १ – ७, २ – ५, ३ – ८, ४ – ९ (B) १ – ८, २ – ६, ३ – ५, ४ – ९

(C) १ – ५, २ – ८, ३ – ७, ४ – ६ (D) १ – ६, २ – ९, ३ – ६, ४ – ७

52. 'पारखी शाणपण हेंच बऱ्या बरपाचें मूळ आनी बुन्याद' अशें हांतूतल्या कोणे म्हळां ?

(A) लोंजायनस् (B) क्विंटीलियन

(C) हॉरेस (D) ॲलक्सांडर पोप

53. 'आय', 'आव' हे सारकेल्या नादांक स्वनांचे खंयचे जातींत बसोवं येता ?

(A) एकोडे स्वर (B) जोड स्वर

(C) अर्द स्वर (D) व्यंजन स्वर

54. शणै गोंयबाबांल्या मत्तान 'आमगेली भास एकरूप जावन ती घसघशीत वाडूंक जाय जाल्यार ________"

(A) हेर भासांतली पुस्तकां कोंकणीत अणकारूक जाय.

(B) कोंकणी लोकवेदाचो आनी भाशास्त्राचो वावर जाय.

(C) तिजी एकूच लिपी थारावंक जाय.

(D) तांतूल्यांन चडात चड नेमाळीं उजवाडा येवंक जाय.

55. नाट्यशास्त्रांत सांगिल्लो एकूच शब्दालंकार खंयचो ?

(A) श्लेष (B) अनुप्रास

(C) उत्प्रेक्षा (D) यमक

56. गोपाल काल्याक आनीक खंयचें नाव आसा ?

(A) दशावतारी कालो (B) धंय कालो

(C) गौळण कालो (D) चिखल कालो

57. "अण्णप्पागेर न्हांवचें, कुट्टप्पागेर जेंवचें, मेळल्ले थंय न्हिदचें" ही म्हण कोंकणीच्या खंयच्या मोडीतली ?

(A) बारदेशी (B) कोडयाळी

(C) मंगळूरी (D) अंत्रुजी

58. 'दांडीचो घागर वाजयल्यो
खांक्या मोगरो फुलयल्यो'
वयर दिल्ल्यो वळी हांतूतल्या खंयच्या लोकखेळ प्रकारांत म्हणटात ?

(A) सांज्याव (B) जागर

(C) मांडो (D) धालो

59. 'मोर्तो' ह्या निबंदाचो बरोवपी हांतूतलो कोण ?

(A) रामकृष्ण जुवारकार (B) तानाजी हळर्णकार

(C) सुहास दलाल (D) निळकंठ कारापुरकार

60. 'सामान्य वाचप्यांक' ही 'कोंकणीची व्याकरणी बांदावळ' ह्या पुस्तकाची प्रस्तावना कोणे बरयल्या ?

(A) शंकर रामचंद्र नायक (B) रामचंद्र शंकर नायक

(C) हरिश्चंद्र नागवेंकार (D) बाकीबाब बोरकार

61. 'अधिकार अरण्याचो' हे अणकारीत पुस्तक हांतूतल्या कोणाचें ?

(A) मुकेश थळी (B) चंद्रकांत केणी

(C) गोकुळदास प्रभू (D) कस्तुरी देसाय

62. 'जोरगत' हो कविता झेलो हांतूतल्या कोणाचो ?

(A) रमेश भगवंत वेळुस्कार (B) नागेश करमली

(C) माधव बोरकार (D) प्रकाश पाडगांवकार

63. नेमाळीं, उजवाडपाचें पयलें वर्स आनी संपादक हांच्यो फावो त्यो जोड्यो लायात.

१. उदेंतिचे साळक	५. १९५३	९. क्रिश्तांव ब्रागांझ कुन्य
२. दर म्हयन्याची रोटी	६. १८८९	१०. एडवर्ड जुजे ब्रुन द सौज
३. वावराड्याचो इश्ट	७. १९१५	११. पुलवीन आर्सेनीस लुसीयु फेर्नांदीश
४. आजाद गोंय	८. १८३२	१२. फा. विन्सेंट लोबो

(A) १ – ७ – ९, २ – ६ – १२, ३ – ५ – १०, ४ – ८ – ११

(B) १ – ६ – ११, २ – ५ – १२, ३ – ८ – ९, ४ – ७ – १०

(C) १ – ६ – १०, २ – ७ – १२, ३ – ८ – ११, ४ – ५ – ९

(D) १ – ८ – ११, २ – ६ – १२, ३ – ५ – ९, ४ – ७ – १०

64. 'मुठ्य' ह्या पुंडलीक नायक हांच्या पुस्तकाचें प्रकाशन हांतूतल्या खंयच्या संस्थेन केलां ?

(A) गोवा कोंकणी अकादमी (B) अपुरबाय प्रकाशन

(C) कुळागर प्रकाशन (D) सेवा समिती प्रकाशन

65. समीक्षणात्मक लेखन, शास्त्रीय विवेचन आनी विचारांक समृद्ध करपाखातीर ________

(A) तिचे एके एके खांदयेचो विचार आनी विकास जावपाची गरज.

(B) चडातचड समीक्षात्मक अभ्यास जावपाची गरज.

(C) विंगड विंगड भासांतल्या समीक्षात्मक लेखनाची गरज.

(D) विंगड विशयांतल्या अभ्यासकांनी समीक्षा बरोवपाची गरज.

66. 'मोग अजरंवरी', 'कृतार्थ सुगुर्वो', आनी 'भविष्य दिश्टावो' हीं कसली नावां आसात ?

(A) अभिजित कवीच्या कविताझेल्यांतली उपशीर्शकां

(B) तीन कवींच्या कविताझेल्यांची शीर्शकां

(C) प्रकाश पाडगांवकराल्या कविताझेल्यांतली उपशीर्शकां

(D) माधव बोरकराल्या कविताझेल्यांतली उपशीर्शकां

67. हांतूतली खंयची दोन विधानां बरोबर आसात ?

1. एकांकी आनी पुराय स्वरुपाचें नाटक हांचें नातें कथा आनी कादंबरी हांच्या नात्यावरीं आसता.
2. 'आयज रे धोलार पडली बडी' हें लोकनाट्यावेलें भाष्य आसा.
3. १९५० ते १९६० हें दशक कोंकणी एकांकीच्या इतिहासातलें महत्त्वाचें वर्स जावन आसा.
4. 'हो तर खेळ सैमाचो' आनी 'दुकांची जाली मोतयां' हयो एकांकी किसन कामत हांणी बरयल्यात.

(A) 1, 4 (B) 1, 3
(C) 2, 3 (D) 3, 4

68. 'समकालीन कोंकणी साहित्य जशें आयिल्लया दिसा नव्या उन्मेशांनी नट्टा, भारा येता, तशेंच सिडनीच्या काळारय इंग्लिश काव्य फुलोरा येतालें' हें विधान हांतल्या कोणे केलां ?

(A) डॉ. सु.म. तडकोडकार (B) डॉ. किरण बुडकुले
(C) डॉ. राजय पवार (D) डॉ. ऑलव्हिन्यू गोमीश

69. सकयल दिल्ले खंयचें वाक्य चूक आसा ?

(A) 'मरण येना म्हूण' ही दामोदर मावज्याली कथा एक उत्कृश्ट रूपककथा जावन आसा
(B) गजानन जोग हांची 'रुद्र' ही कथा अल्पसंख्य समाजाचें बेस बरें चित्रण करता.
(C) जयंती नायक हांच्यो कथा चडशो बायलांचे जिणेचेर आसात.
(D) महाबळेश्वर सैल हांचे लिखणेक विविधताय मानवता.

70. 'गोअ नोव्ह' ह्या नेमाळ्याचें संपादक कोण आसले ?

(A) गोविंद पुडलीक हेगडो देसाय (B) व्यंकटेश आळवेंकार
(C) डॉ. ज्युलियांव मिनेझिस (D) एवाग्रियु जॉर्ज

सकयल दिल्लो उतारो वाचून ताच्या सकयल दिल्ल्या प्रस्नांच्यो जापो दियात.

'व्यक्तित्व म्हळयार स्थळ, काळ, धर्म, संस्कृती, परंपरा आनी इतिहास अशा विंगड-विंगड परंपरांचो आपरोस अशें एक फावट प्रो. लक्ष्मणरावान म्हणिल्लें. अर्थात् त्या निमतान एक प्रस्न उप्रासता. तो म्हळयार असो: समर्थ प्रतिभावंतान साक्षात केल्ली कथा वा नवलिकेंतल्यान मांडिल्ली एकाद्री व्यक्तिरेखा म्हळयार ती त्या समाजाचें प्रतिनिधीक रूप आसता व्हय ? हो प्रश्न ललितगद्याच्या संदर्भात उप्रासता. हें वास्तव संबंधितांनी मतींत दवरपाची गरज आसा. कथा हो ललितगद्याभशेन कथनात्मकतोचोच प्रकार. कथा वा नवलिका बरयतास्तना वास्तवांतल्या साबार तासांसयत जियेवपी एकाच व्यक्तींत दोन (वा दोनापरस चडय) लेखक आसतात. आनी दोनांतय एकच निवेदकय आसता; परंत साहित्यप्रकार बदळूंक लागलो की निवेदकाची भूमिकाय बदळूंक लागता. वर्ण्य व्यक्ती तशें पळयत जाल्यार अस्तित्वांतच नासता तरीकूय लेखक तिची निर्मणी करता आनी तो ज्या-ज्या भावविश्वाकडेन बांदिल्लो आसता त्या-त्या वेळार निवेदकाची भूमिका बदलत वता. वास्तवांतली जीण आनी साहित्यातलें वास्तव हातूंत अंतर आयिल्ल्यान तशें घडटा. पूण ललितगद्यांतल्या व्यक्तिरेखांच्या संबंदान ती व्यक्ती, लेखक आनी निवेदक हांची एकच भूमिका उरता देखून व्यक्तिरेखांचे चित्रण जशाक तशें जावंक संद मेळाटा. अशें असूनय भौसांतल्या विशिश्ट व्यवसाय धंदो - वावर करपी बहुजनांच्या वृत्ती-प्रवृत्तीच्या खाशेलपणाचेर दोनूय लेखक आपणाल्या साहित्यकृतीची इमारत बांदतात. प्रो. लक्ष्मणरावांच्या बरपावळींत अशें एका परस चड लेखक वावर करताना दिश्टी पडटा. तांच्या अस्करांतल्या भौसाच्या वागपांत, न्हेसपांत, खावपांत, नावांत जीणेविशींच्या तत्वगिन्यानांत, रिती-

CAREERINDIA

भातींत, जाती-जमाती, धर्मात जें नदरेक पडटा तें तांणी नोंदयला. गोंयची जी प्रतिमा निर्माण जाली ती अशा बरपावळीतल्यान, परंत त्या बरपावळींतली व्यक्तिरेखाच चडशी मतींत उल्ली आनी तिच्यातलीं कलात्मकता साबार विसरायेर धालून मेकळे जाले. तांच्या बरपावळींतली दर एक व्यक्तिरेखा प्रतिनिधीक जावन गेली. गोंयचो इतिहास बरयतास्तना तांची बरपावळ म्हळयार गोंयचेर मांडिल्ली एक चित्रशाळा वा गोंयच्या जीणेविशींची आर्ट गॅलरी अशें फाल्यां कोणें म्हळें जाल्यार अजाप दिसपाची गरज ना. व्हांवत्या भाशाशैलीतल्यान ही चित्रणां उबीं जाल्यात खरी पुण तांका रंगयतना प्रो. लक्ष्मणराव ते व्यक्तीचें मानसीक रूप, तिच्या मनातलो संघर्श वा भावनांचें झूज खोलायेन रंगयताना दिसतात. व्यक्तिचित्र रंगयतना व्यक्तिठांय एकाद्रया सामान्य व्यंगाच्या सांगातान वैशिश्ट्य पुराय अशें स्वभावविशेश चित्रायल्ले दिसतात. देखीक छंदिश्ट ताये सांगातान निरागस अशें भाबडेंपण चित्रायतकच हे व्यक्तीक तिचें अशें खाशेलेंशें व्यक्तिमत्व मेळटा.

71. साहित्य बदळूंक लागले की कोणाची भूमिका बदलता ?

(A) लेखकाची
(B) निवेदकाची
(C) पात्राची
(D) समीक्षकाची

72. हातूतळें खंयचें वाक्य बरोबर आसा ?

(A) कथा हो ललितगद्याभाशेन लालित्याचो प्रकार
(B) कथा हो ललितगद्याभशेन भाशेचो आविश्कार
(C) कथा हो ललितगद्याभशेन कथनात्मकतेचो प्रकार
(D) कथा हो ललितगद्याभशेन निवेदनाचो प्रयोग

73. व्यक्तिरेखांचे चित्रण जशाक तशें जावंक संद मेळटा कारण

(A) ललितगद्यांतल्या व्यक्तिरेखांच्या संबंधान निवेदक, लेखक आनी ती व्यक्ती हांची भूमिका विंगड आसप गरजेचें जाता.
(B) ललितगद्यांतल्या व्यक्तिरेखांच्या संबंधान निवेदक, लेखक हांची एक भूमिका आनी त्या व्यक्तिरेखेची दुसरी भूमिका आसता.
(C) ललितगद्यांतल्या व्यक्तिरेखांच्या संबंधान निवेदकाची आनी त्या व्यक्तीची भूमिका एक तर लेखकाची भूमिका वेगळी जाता.
(D) ललितगद्यांतल्या व्यक्तिरेखांच्या संबंधान निवेदक, लेखक आनी ती व्यक्ती हांची एकच भूमिका उरता.

74. गोंयची प्रतिमा कसल्या बरपावळींतल्यान निर्माण जाली ?

(A) दर एक व्यक्तिरेखा प्रतिनिधीक जाल्यान.
(B) जे नदरेक पडटा तें नोंदयल्ल्यान.
(C) गोंयच्या सैमाचें वर्णन प्रतिनिधीक रूपान चित्रायल्यान
(D) गोंयचो इतिहास ललित्यपुराय शैलीन बरयल्यान.

75. प्रो. लक्ष्मणराव सरदेसाय व्यक्तिचित्र कशें चित्रायतात ?

(A) छंदिश्टताये सांगातान निरागस भाबडेपण चित्रायतात.
(B) व्यक्तिचें मानसीक रूप, तिच्या मनातलो संघर्श वा भावनांचें झूज खोलायेन चित्रायतात.
(C) व्यक्तिठांय एकाद्रया सामान्य व्यंगाच्या सांगातान वैशिश्ट्य पुराय अशें स्वभावविशेश चित्रायतात.
(D) समाजाचें प्रतिनिधीक रूप म्हणून ती व्यक्तिरेखा चित्रायतात.

Space For Rough Work

www.careerindia.com